तेजाब के कहर पर अब हो रही है 'शीतल' संवेदना की बारिश

धनंजय

नई दिल्ली। तेजाब से जले 27 वर्षीय सोनाली मुखर्जी के चेहरे को देखने लायक बनाने में कम से कम 30 लाख रुपए लगेंगे। इतने पैसे का इंतजाम 72 घंटे में हो गया। गुरुवार को दुबई से किसी ने डेढ़ लाख रुपए भेज दिए। मानो उसके चेहरे को 'सुंदर' बनाने में सारी कायनात लग गई है। तेजाब के कहर के बाद अब उस पर शीतल संवेदना की बारिश हो रही है। तेजाब से वीभत्स हुआ उसका चेहरा किस हद तक पहले जैसा हो सकेगा, डॉक्टरों के अनुसार अभी यह कहना नामुमकिन है लेकिन पूसा रोड स्थित राजधानी के अत्याधुनिक बीएलके सुपरस्पेशियैलिटी अस्पताल में 'पट्टियों' से ढकी सोनाली के मन में एक 'सुंदर' सपने ने आकार लेना जरूर शुरू कर दिया है। जीने की नई 'चाहत' वाली इसी सोनाली ने कुछ दिन पहले ही इच्छा मृत्यु के लिए कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

बीते सोमवार सोनाली की पहली सर्जरी करने के बाद बीएलके सुपरस्पेशियैलिटी के डॉक्टरों ने गुरुवार को बताया कि वे अब से 12 से 15 महीने के दरम्यान सर्जरी के 7 से अधिक सेशन करेंगे। उसके बाद उसके सामान्य होने की उम्मीद कर रहे हैं। घटना के बाद पिछले करीब 9 सालों में उसकी अब तक 23 से अधिक सर्जरी हो चुकी है। इसके लिए उसकी जांघों व हाथों से इतने ऊतक निकाले गए हैं कि बकौल डॉक्टर ग्रैफ्टिंग के लिए ऊतक के मामले में वह 'कंगाल' हो गई है। ग्रैफ्टिंग के लिए अब अत्याधुनिक तकनीक से नए ऊतक बनाने पड़ेंगे।

- 12 से 16 महीने तक चलेगी सोनाली मुखर्जी की सर्जरी
- चेहरे के फिर से सामान्य होने की उम्मीद है डॉक्टरों को
- पहले ही हो चुकी है 23 सर्जरी

इसे 'टिशु एक्सपेंशन' तकनीक कहते हैं। सोनाली के पिता चंडीदास मुखर्जी ने कहा कि वह यहां आकर खुश है। उसमें सामान्य होने की चाहत और आशा दोनों जगी है।

अब तक हुई परंपरागत सर्जरी में उसके चेहरे पर जो शरीर की दूसरी जगहों से त्वचा के परत लगाए गए थे वे अब उधड़ने लगे हैं। ठीक से खा नहीं पाने की वजह से वह मात्र 36 किलो वजन की रह गई है। सोनाली दो सप्ताह पहले बहुत ही विकृत चेहरे के साथ अस्पताल में भर्ती हुई है। माना जा रहा है कि यह दुनिया की अपने तरह की पहली पुनर्संरचनात्मक (रिकंसट्रक्टिव) सर्जरी होगी। इस इलाज में 30 प्रतिशत की छूट देने वाले अस्पताल ने इस मैराथन सर्जरी को 'प्रोजेक्ट होप' का नाम दिया है।

अस्पताल के 'प्लास्टिक एंड रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी' विभाग के प्रमुख डॉ. ए.एस. बाथ ने कहा कि अभी तो हम उस सर्जरी पर केंद्रित हैं कि उसके आंखों की पलकें बंद होने और खुलने लगे, होंठ खुलने लगें और वह सुनने लगे। डॉ. बाथ के नेतृत्व में 18 डॉक्टरों की टीम सोनाली के चेहरे की सुध लेगी। उसके चेहरे को फिर से सामान्य और सुंदर बनाने की कोई कोशिश भी हम नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने बताया कि उसके चेहरे को सामान्य बनाने में बाद में उसके शरीर की बची-खुची चर्बी के स्टेम सेल का भी उपयोग करेंगे। अस्पताल के डीन एवं सीईओ व रेडियेंट लाइफ केयर के निदेशक डॉ. संजीव बगई ने बताया कि चहरे पर तेजाब फेंके जाने से उसके चेहरे का क्या हाल हुआ, इसे शब्दों में कहना मुश्किल है। लेकिन सोनाली में 'फाइट बैक' करने का जज्बा कूट-कूट कर भरा है। 'बेटी' नामक स्वयंसेवी संगठन ने सोनाली के चेहरे के कायाकल्प का बीड़ा उठाया है।